Paper - VI

MT

2017 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - VI

Time : 3 Hours **Model Answer Paper** **Max. Marks : 80**

विभाग 1 - गद्य

उ.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) सात पैसे (2) सात पैसे

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** ½

(1)

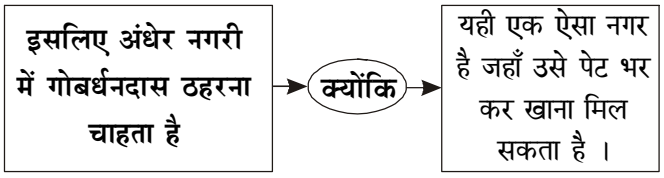

(2) **सही पर्याय चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए।** ½

महंत के अनुसार अंधेर नगरी में रहना उचित नहीं है क्योंकि **ऐसी नगरी में कभी भी संकट आ सकता है।**

2) i) (1) **वर्तुल में सही उत्तर लिखिए।** ½

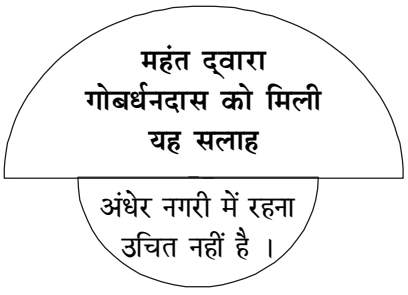

(2) **उत्तर लिखिए।** ½

उस नगर को छोड़कर चले जाना।

ii) **उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।** **1**

(1) **चौपट** - अंधेर नगरी का राजा कौन था ?

(2) **सात** - गोबर्धनदास को भिक्षा में कितने पैसे मिले ?

3) i) **समानार्थी शब्द लिखिए।** **1**

(1) चौपट - नष्ट (2) संकट - मुसीबत

ii) **मानक वर्तनी के अनुसार शब्द लिखिए।** **1**

(1) पडती - पड़ती (2) जाउँगा - जाऊँगा

4) अव्यवस्था तथा लूट-खसोट समाज के पतन का कारण बनते हैं। जहाँ पर ऐसी अव्यवस्था होती है, वहाँ पर किसी भी प्रकार के नियम स्थायी तौर पर नहीं होते हैं। ऐसे नगर में अराजकता का ही वर्चस्व होता है। कायदे-कानून नाम की कोई व्यवस्था न होने के कारण सभी जन मनमाने तरीके से एक-दूसरे के साथ व्यवहार करते हैं। उस नगर का मुखिया तो सबसे बड़ा मूर्ख होता है। वह कान का कच्चा होता है और सभी की बातों पर विश्वास करके मूर्खता भरा व्यवहार करता है। **2**

उ.1. **(ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**

1) i) **सफलता या कामयाबी के प्रश्न पर प्रीति का अपने बारे में कथन .....** **1**

(1) मैं तो अभी सफलता के रास्ते में हूँ ।

(2) मेरे सामने अनगिनत चुनौतियाँ है ।

ii) **सत्य या असत्य पहचानकर लिखिए।** **1**

(1) सत्य (2) असत्य

2) i) **उचित पर्याय चुनकर लिखिए।**

(1) प्रीति के अनुसार वही व्यक्ति सफल कहलाने का अधिकारी होता है -**जिसने सबसे ज्यादा असफलताओं का सामना किया हो।** ½

(2) यदि यही सोचते रहे कि गाड़ी जैसी चल रही है, चलती रहे **तो कभी सफलता नहीं पा सकते ।** ½

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) इंसान को उठाने के लिए हैं।

(2) सबसे अधिक चुनौतियों का सामना करना है ।

3) i) **कृति पूर्ण करो।** **1**

परिच्छेद में प्रयुक्त विरामचिह्नों के नाम हैं :

- अल्पविराम
- पूर्णविराम
- योजक चिह्न
- प्रश्नवाचक चिह्न

ii) **पहेली में से विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

(1) सफल × असफल (2) गिरना × उठना

4) जीवन का दूसरा नाम संघर्ष है। संघर्षशील जीवन व्यक्ति को समृद्ध बनाता है। जीवन में संघर्ष करके ही हम आगे बढ़ सकते हैं। संघर्ष व्यक्ति को जीवन जीने की प्रेरणा एवं शक्ति प्रदान करता है। जो जीवन में संघर्ष नहीं करता है, ऐसा व्यक्ति मुसीबतों का सामना नहीं कर सकता है। संघर्ष करने से ही व्यक्ति की प्रगति होती है और वह सफलता की मंजिल को आसानी से पा लेता है। **2**

उ.1. (ग) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) सुंदर (2) महान

2) **उत्तर लिखिए।** **1**

i) गंगोत्तरी ii) यमुनोत्तरी iii) केदारनाथ iv) बदरीनाथ

3) शायद ही कोई ऐसा होगा जिसे अपने देश से प्यार न होगा। हमारा देश विश्व की प्राचीनतम संस्कृति वाला देश है। हमारी संस्कृति का सबसे महत्त्वपूर्ण तत्त्व है - अनेकता में एकता। प्रेम, भाईचारा, सत्य, अहिंसा, मानवता, आदर आदि गुण हमें हमारी संस्कृति ने दिए हैं। हमारी भाषा भी विश्व की सबसे प्राचीतम भाषा है। हिमालय पर्वत भारत की शान है। गंगा नदी भारत की सबसे बड़ी नदी है। विज्ञान एवं तकनीक में हमने ढेर सारी प्रगति कर ली है। विश्व की महान शक्ति के रूप में हम उभर रहे हैं। **2**

विभाग 2 - पद्य

उ.2. (च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।**

(1) **½**

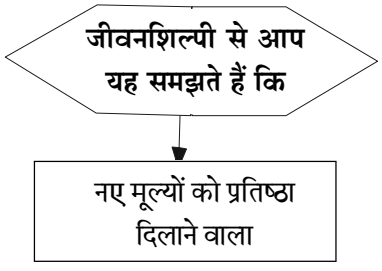

(2) **यह गुण बनेगा हमारा मुकुट (ताज)** ½

↓

मुक्त व्यक्ति व संगठित समाज के जरिए भारत के जन - मन को नया रूप देना ।

2) i) **उत्तर लिखिए।**

(1) स्वयं के जीवन का शिल्पकार बनना। ½

(2) शोषित लोग समाज में शेष न हों। ½

ii) **समझकर लिखिए।**

(1) सांसारिक कामनाओं से। ½

(2) सांसारिक वासनाओं से। ½

3) i) **निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

(1) असंगठित × संगठित (2) न्याय × अन्याय

ii) **शब्द बनाइए।** **1**

वैसे : सत्य + युग = सत्ययुग

धर्म + युग = धर्मयुग

4) कवि का कहना है कि नए युग में समाज का हर व्यक्ति अपना विकास करने के लिए पूरी तरह आजाद होगा। लोगों में एकता की भावना होगी और लोग संगठित होंगे। व्यक्ति के गुणों का सम्मान होगा और उसके गुणों को ही प्रमुखता दी जाएगी। नए युग के नए नियम - कानून होंगे। सबको न्याय मिलेगा। **2**

उ.2. **(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**

1) i) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

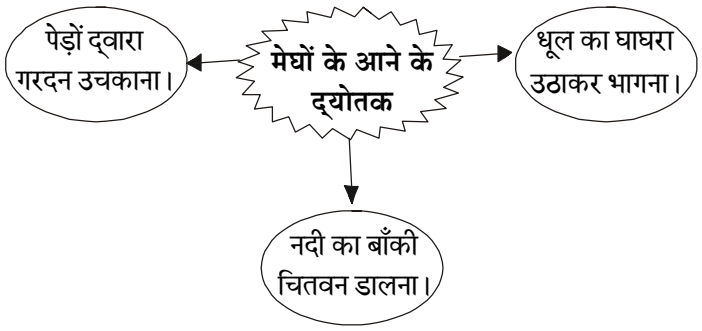

ii) **समझकर लिखिए।** **1**

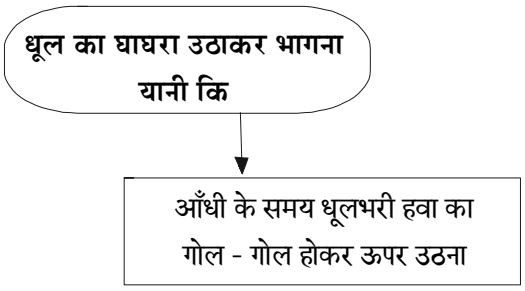

2) i) (1) धूल कैसे भागी ? **1**

(2) कौन झुककर झाँकने लगे ?

ii) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) मेघों का आगमन हुआ इसलिए नदी ठिठकी।

(2) 'बाँकी चितवन' का अर्थ है - 'सौंदर्यभरी तिरछी नजर'

3) i) **शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए।** **1**

(1) नदी - स्त्रीलिंग (2) पेड़ - पुल्लिंग

ii) **मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द लिखिए।** **1**

(1) घूघट - घूँघट (2) आधी - आँधी

4) तेज़ हवा के झोंकों से पेड़ अपनी गरदन उचका कर झाँकने लगे हैं, जैसे कि वह बादलों को निहार रहे हैं । धूलभरी आँधी ऐसे चल रही है, जैसे अपना घाघरा उठा कर भाग रही हो । हवा के तेज झोंकों से नदी का पानी रुक - सा गया है । नदी तिरछी नजरों से बादलों को देख रही है, जैसे उसका घूँघट ही सरक गया हो । इस प्रकार बादल आकाश में सज - सँवर कर आए हैं । **2**

विभाग - 3 - पूरक पठन

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

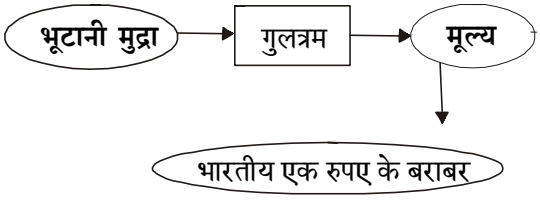

	ii) (1) पूरे शहर में एक ही पेट्रोल पंप है। (2) सैकड़ों जापानी मोटरों और जीपों को इस पेट्रोल पंप से ईंधन की पूर्ति की जाती है।	1
2)	प्राकृतिक रम्य-स्थलों पर भ्रमण करना, सभी को अच्छा लगता है। हरी-हरी वसुंधरा, नीला गगन, रंगबिरंगे पुष्प, चित्ताकर्षक पंछी, बड़े-बड़े पहाड़, नदियाँ एवं झरने प्रकृति की अनमोल देन हैं। इनके साथ रहने से मनुष्य का मन तृप्त हो जाता है, उसमें सौंदर्य बोध का सृजन होता है। प्राकृतिक नजारे मनुष्य के तन-मन में नई उमंग भर देने का कार्य करते हैं।	2
	विभाग - 4 - व्याकरण	
उ.4.	**सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	
1)	i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** लता जी मधुर आवाज में गा रही थीं ।	½
	ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए।** **कोई -** प्रश्नवाचक सर्वनाम	½
2)	**निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए।** मैनेजर को हिदायत दी गई ।	1
3)	i) **निम्नलिखित सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** बालक रो पड़ा ।	½
	ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए।** लगा (लगना) - सहायक क्रिया ।	½
4)	**प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए।** **क्रिया** — **प्रथम प्रेरणार्थक** — **द्वितीय प्रेरणार्थक** मानना — मनाना — मनवाना	1
5)	i) **अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए।** मातृभूमि **के लिए** सैनिक अपने प्राणों की बाजी लगा देते हैं ।	1
	ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए।** हाँ, - विस्मयादिबोधक अव्यय ।	1

6) **कालपरिवर्तन कीजिए।** **2**

अपूर्ण वर्तमानकाल - बहुत से नेता आ रहे हैं ।

पूर्ण भूतकाल - बहुत से नेता आए थे ।

7) i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए।** **1**

सिहर जाना - काँप उठना ।

वाक्य :- आतंकी हमले की खबर सुनकर हम **सिहर गए ।**

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए।** **1**

मामाजी को आते देखकर छोटी राधा **खिलखिलाकर हँसने लगी** ।

विभाग 5 - रचना

उ.**5.** **परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** **5**

1) **निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए।**

दिलीप चौधरी
15 - अ, शिवपुरी,
नाशिक ।
दिनांक - 06 अक्टूबर,2017

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाध्यापक जी,
महात्मा गांधी विद्यालय,
महात्मा गांधी रोड,
नाशिक ।

विषय : चार दिन की छुट्टी के लिए आवेदन पत्र ।

माननीय महोदय,

मैं दिलीप चौधरी, कक्षा दसवीं 'अ' में पढ़नेवाला छात्र हूँ । मेरा उपस्थिति क्रं. 21 है । नाशिक में 8 अक्टूबर 2017 से 11 अक्टूबर 2017 तक राज्यस्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है । इस प्रतियोगिता में राज्य भर से चुने हुए खिलाड़ी भाग लेने आ रहे हैं । मैं भी इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहता हूँ ।

अत: आप से प्रार्थना है कि आप हमें इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए दि. 8 अक्टूबर 2017 से 11 अक्टूबर 2017 तक अवकाश देने का कष्ट करें । इन दिनों में पढ़ाई का जो नुकसान होगा, मैं उसे पूरा कर लूँगा ।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ ।

धन्यवाद !

आपका आज्ञाकारी छात्र,
दिलीप चौधरी ।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाध्यापक जी,
महात्मा गांधी विद्यालय,
महात्मा गांधी रोड,
नाशिक ।

प्रेषक
दिलीप चौधरी
15 - अ, शिवपुरी,
नाशिक ।

अथवा

मिथिल शिंदे,
(छात्र प्रतिनिधि)
प्रबोधिनी विद्यालय,
जयसिंगपुर ।
दिनांक - 06 अक्टूबर,2017

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी,
क्वालिटी स्पोर्ट्स,
तिलक रोड, पूणे ।

विषय : <u>क्रीड़ा साहित्य न पहुँचने के संदर्भ में शिकायत पत्र ।</u>

माननीय महोदय,

बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि आपके क्वालिटि स्पोर्ट्स से क्रीड़ा साहित्य मँगवाने के लिए हमने आप को एक सूची भेजी थी । आपके द्वारा भेजी गई साहित्य (सामग्री) कल ही हमें प्राप्त हुई परंतु उसमें सूचीनुसार साहित्य नहीं है । हमारे लिखे हुए साहित्य की जगह पर आप ने कुछ और ही साहित्य भेज दिया है । मैं आपके द्वारा गलत भेजी गई साहित्य और उसके कैशमेमों का झेराक्स आपको वापस भेज रहा हूँ ।

कृपया आप हमारे सूचीनुसार क्रीड़ा साहित्य जल्द से जल्द भेजने का कष्ट करें ।
धन्यवाद !

भवदीय,
मिथिल शिंदे ।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी,
क्वालिटी स्पोर्ट्स,
तिलक रोड,
पूणे ।

प्रेषक
मिथिल शिंदे
(छात्र प्रतिनिधि)
प्रबोधिनी विद्यालय,
जयसिंगपुर ।

2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए। **5**

'बचत का महत्त्व'

सुबोध नाम का एक मजदूर था । वह सुबह से शाम तक मजदूरी करता । शाम को काम से छूटने पर उसे जो पैसा मिलता उसी पैसे से बनिए की दूकान से चावल खरीदता । चावल लेकर घर आता उसे बनाता और खाता । वह ऐसे ही नित्य मजदूरी करता और अपना भेट भरता था ।

एक दिन बनिए ने सुबोध को सलाह देते हुए कहा कि तुम बचत करना सीखो । रोज चावल में से थोड़ा सा चावल निकाल कर रख लिया करो । जब कभी किसी कारण बस तुम काम पर नहीं जापाओगे तब यह चावल तुम्हें खाने के काम आएगा । सुबोध ने बनिए की बात को अनसुना कर दिया । अब बनिया मजदूर को चावल देते समय खुद ही उसमें से एक मुट्ठी चावल निकाल कर अलग रख लेता ।

कुछ दिनों के बाद सुबोध अचानक किसी कारण वस काम पर नहीं जा सका । शाम को बनिए की दूकान पर वह चावल उधार लेने पहुँचा ।

बनिए ने उसे दो किलो चावल सौंपते हुए कहा, ''उधार की कोई जरुरत नहीं । यह आपका ही चावल है जिसे हमने बचा कर रखा था ।'' मजदूर को बड़ा आश्चर्य हुआ और उसने भी बचत करने का प्रण लिया ।

सीख : इस कहानी से यह सीख मिलती है कि हमें अपनी आमदनी में से थोड़ा बचत करके रखना चाहिए जो हमारे मुश्किल दिनों में काम आए ।

3) निम्नलिखित गद्यखंड को ध्यानपूर्वक पढ़कर पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनका उत्तर एक वाक्य में लिखा जा सके। **5**

(i) संसार में कौन - सी तीन बातें बड़ी महत्तवपूर्ण हैं ?

(ii) किस ज्ञान को प्राप्त कर तुम संसार के किसी भी कोने में जाओगे तो अपना निर्वाह कर सकोगे ?
(iii) अक्षर ज्ञान किसलिए होता है ?
(iv) हमें क्या याद रखना है ?
(v) अमीरी और गरीबी की तुलना में कौन अधिक सुखद है ?

उ.6. 1) प्रसंग लेखन : (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

जी हाँ रेल्वे स्टेशन पर दर्जनों दलाल घूमते रहते हैं । उनके लिए टिकट निकालना बाँए हाथ का खेल होता है । जब यात्री टिकट लेने के लिए टिकट खिड़की पर पहुँचते हैं तो दलाल उन्हे घेर लेते हैं । वे उन्हें टिकट देने के बड़े - बड़े दावे करने लगते हैं । अब यात्री आश्चर्य में पड़ जाते हैं कि भला इतनी लम्बी कतार लगी है, यह कैसे इतनी जल्दी टिकट देने की गारंटी ले रहा है । शायद यात्री को पता नहीं होता कि इन दलालों का अंदर तक जुगाड़ रहता है । इनका कोई न कोई आदमी खिड़की के पास हर वक्त या तो खड़ा रहता है या वहीं आस - पास मडराता रहता है, जो कोई न कोई जुगाड़ कर टिकट ला कर देता है । कभी - कभी तो वह दूसरों के लिए निकाला टिकट किसी दूसरे को भी दो गुने - तीन गुने दाम पर बेंच देता है जिससे यात्रा के दौरान यात्री को परेशानी होती है क्योंकि टिकट किसी और के नाम बुक होता है और यात्रा कोई और कर रहा होता है तथा यात्री सही पहचान पत्र देने में असफल होता है ।

2) विज्ञापन। (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

'स्वास्थ्यवर्धक शरबत'
आपको कमजोरी से दिलाए राहत ।
भर दे आप में लाजवाब फुर्ती, शक्ति और ताजगी ।
स्त्री, पुरुष, बूढ़े - बच्चे सबके लिए विशेष उपयोगी ।
'आईए - आईए - आईए लीजिए ।'
सभी केमिस्टों और प्रमुख स्टोरों में उपलब्ध ।
शक्ति उत्पादन, नई दिल्ली ।
फोन न. 09892250499

3) किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। (60 से 80 शब्दों में) **5**

1) **यदि मोबाइल न होता**

आज का युग वैज्ञानिक आविष्कारों का युग है । संचार के क्षेत्र में इन आविष्कारों ने क्रांति कर दी । टेलिफोन, टेलीप्रिंटर फैक्स मशीन, बेतार के तार, इंटरनेट आदि वैज्ञानिक उपकरणों ने समय और दूरी की समस्या मिटा दी है । वर्तमान समय में मोबाइल इन सभी संचार साधनों में सर्वश्रेष्ठ बन गया है ।

वर्तमान समय में बच्चे, युवक, प्रौढ़, बुजुर्ग सभी मोबाइल रखते हैं । कॉलेज जाने वाले युवक - युवतियों के लिए अपने पास मोबाइल रखना अनिवार्य हो गया है । उच्च श्रेणी के व्यक्ति डॉक्टर, वकील, प्रोफेसर इंजीनियर आदि के लिए तो मोबाइल अनिवार्य हो ही गया है, सामान्य श्रेणी के व्यक्ति चपरासी, मजदूर आदि भी मोबाइल रखते हैं ।

यदि मोबाइल न होता तो आज हमारा हर कार्य पहले जैसा ही धीमी गति से होता और समय के अभाव में कार्य समय पर नहीं हो पाता । हम अपातकाल में घर बैठे ही डॉक्टर को फोन कर जान लेते हैं, डॉक्टर साहब कब और कहाँ मिलेंगे । मोबाइल के अभाव में हमें पता नहीं लग पाता कि डॉक्टर किस समय कहाँ बिजिट (मुआयने) पर हैं । यदि मोबाइल न होता तो हम किसी दुर्घटना की खबर पुलिस को तुरंत नहीं कर पाते । दुकानदार मोबाइल के अभाव में न तो सीधे सामान का आर्डर ले पाते और न ही समय पर सामान पहुँचा पाते । मोबाइल के अभाव में हम आज की तरह घर बैठे, रेल, हवाई जहाज आदि का टिकट आरक्षित न करा पाते, और नहीं मनीट्रांसफर कर पाते

इस प्रकार यदि मोबाइल न होता तो हम अगणित सुविधाओं से वंचित रह जाते और इस भागती जिंदगी में अपना कार्य समय पर न कर पाते ।

2) **पेड़ की आत्म कथा** **5**

पथिक, तू मेरी हालत पर दो आँसू न बहाए तो न सही, लेकिन मेरी कहानी तो सुनता जा । आज मुझे अपने बारे में कुछ कहने की इच्छा हुई है ।

बचपन में मुझे कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था । कभी शीत की ठिठुरन, कभी गरमी की जलन, कभी वर्षा की झड़ी । लेकिन हर सुबह उषा की मोहिनी मुसकान देखकर मेरे जी की कली खिल उठती थी । संध्या मुझ पर अपनी स्वर्णिम सुंदरता बिखेर देती थी । कितनी हँसी - खुशी से बीत गए बचपन के दिन !

आज तो मैं केवल ठूँठमात्र रह गया हूँ । लेकिन यौवन के वे दिन, वे बहारें, रंगरेलियाँ आज भी आँखों के सामने घूमती रहती हैं । उस समय मेरे चारों ओर हरियाली छाई रहती थी । भाँति - भाँति के पक्षी आकर मेरी डलियों पर बैठते थे । उस छोटी - सी चिड़िया को तो मैं कभी नहीं भूल सकता, जो मेरी टहनियों पर बैठकर किल्लोल करती थी मुझे यह भी याद है कि एक कोयल ने मेरी घनी - घनी छायादार डालियों में अपना घोंसला बनाया था । उस कोयल के नन्हे - नन्हे बच्चे मेरे फल खाकर हँसी - खुशी से जिंदगी बिता रहे थे ।

दोपहर को मेरी छाया में ग्वालों के लड़के खेला करते थे और कई मुसाफिर आराम करते थे । मेरे नीचे कितनी बैलगाड़ियाँ खड़ी रहती थीं । कभी कोई बारात भी मेरी छाया में रुकती थी, शहनाई के सुर सुनकर मैं मारे खुशी से फूला न समाता था । कभी - कभी जब गाँव की बालाएँ नववधू बनकर ससुराल जाते समय मेरे नीचे से गुजरतीं, तो मेरी शाखाएँ पत्ते गिराकर आँसू बहाने लगती थीं । नवरात्रि के दिनों में मेरे आसपास रास और गरबा नृत्यों की धूम मच जाती थी । ऐसी अनेक घटनाओं का मैं मूक साक्षी रहा हूँ ।

कालचक्र घूमता रहा । इस गाँव में बिजली के आगमन ने मुझ पर वज्राघात किया । बिजली के खंभे और तार लगाने वाले इंजीनियरों ने निर्दयतापूर्वक मेरी हरी - भरी शाखाएँ कटवा दीं और मेरी शान - शौकत मिट्टी में मिल गई ।

आज मेरे पत्ते झड़ गए है, डालियाँ सूख गई हैं । न आज मैं लोगों को छाया दे सकता हूँ और न आँधी से बचा सकता हूँ । अब तो मरकर भी जलाने की लकड़ी के रूप में तुम्हारे काम आ सकूँ तो अपने आपको धन्य समझूँगा ।

❖❖❖❖